भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2029

दिनांक 02 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन

2029. डॉ. राजीव भारद्वाजः

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी किः

(क) 'पोषण भी पढ़ाई भी' योजना के अंतर्गत संपूर्ण देशभर आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों में अच्छी पोषण संबंधी आदतें विकसित करने के लिए सरकार द्वारा आवंटित बजट का ब्यौरा क्या है तथा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या हिमाचल प्रदेश राज्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए कोई विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया है;

(ग) यदि हां, तो विशेष रूप से कांगड़ा और चंबा जिलों में तत्संबंधी व्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त योजना के अंतर्गत बच्चों के समग्र विकास की निगरानी के लिए कोई प्रणाली/इकाई स्थापित की गई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ग): सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 की पहल पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) को 10 मई 2023 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य आंगनवाड़ी प्रणाली का ध्यान

प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा पर केंद्रित करना और आंगनवाड़ी केंद्रों को उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, खेल के उपकरण और सुप्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के साथ शिक्षण केंद्रों में बदलना था,ताकि 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के रचनात्मक, सामाजिक, भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास को प्रोत्साहित किया जा सके। पीबीपीबी के तहत वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश भर में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (एसएलएमटी) और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों (एडब्ल्यूडब्ल्यू) के प्रशिक्षण के लिए 476.05 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। अब तक पीबीपीबी के तहत कांगड़ा और चंबा जिलों सहित हिमाचल प्रदेश के 11 जिलों से कुल 530 एसएलएमटी को प्रशिक्षित किया गया है।

(घ) तथा (ङ) आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण प्रदायगी सहायता प्रणालियों को मजबूत बनाने और उसमें पारदर्शिता लाने के लिए आईटी प्रणालियों का लाभ उठाया गया है। 1 मार्च, 2021 को महत्वपूर्ण शासन उपकरण के रूप में 'पोषण ट्रैकर' एप्लिकेशन को शुरू किया गया था। पोषण ट्रैकर परिभाषित संकेतकों पर सभी आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी), आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों(एडब्ल्यूडब्ल्यू) और लाभार्थियों की निगरानी और ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है। पोषण ट्रैकर के तहत प्रौद्योगिकी का उपयोग बच्चों में ठिगनापन, दुबलापन, कम वज़न के प्रचलन की गतिशील पहचान के लिए किया जा रहा है। मोबाइल एप्लिकेशन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले भौतिक रजिस्टरों के डिजिटलीकरण और स्वचालन की सुविधा भी प्रदान की है जो उनके कार्य की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायता करता है। पोषण ट्रैकर हिंदी और अंग्रेजी सहित 24 भाषाओं में उपलब्ध है। इसने आंगनवाड़ी सेवाओं जैसे दैनिक उपस्थिति, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई), पका हुआ गर्म भोजन (एचसीएम) / टेक होम राशन का प्रावधान, लाभार्थियों के वजन और ऊंचाई का उचित मापन और रिकॉर्डिंग इत्यादि के लिए वास्तविक समय आंकड़ा संग्रह की सुविधा प्रदान की है।

*****